डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 07 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 4 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर >> शनिवार, 07 अगस्त, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

अल्लाह को प्यारा है मुहर्रम का महीना!

इस्लामी वर्ष यानी हिजरी सन् के पहले महीने मुहर्रम की शुरुआत हो रही है। मुहर्रम के महीने का शुमार इस्लाम के चार पवित्र महीनों में होता है। अल्लाह के रसूल हज़रत मुहम्मद ने मुहर्रम को अल्लाह का महीना कहा है। इस पाक माह में रोज़ा रखने की अहमियत बयान करते हुए उन्होंने कहा है कि रमज़ान के अलावा सबसे अच्छे रोज़े वे होते हैं जो अल्लाह की पसन्द के इस महीने में रखे जाते हैं। मुहर्रम के महीने के दसवें दिन को यौमे आशुरा कहा जाता है। यौमे आशुरा का इस्लाम ही नहीं, मानवता के इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थान है। यह वह दिन है जब सत्य, न्याय, मानवीयता के लिए संघर्षरत हज़रत मोहम्मद के नवासे हुसैन इब्न अली की कर्बला के युद्ध में उनके बहत्तर स्वजनों और दोस्तों के साथ शहादत हुई थी। हुसैन विश्व इतिहास की ऐसी कुछ महानतम विभूतियों में हैं जिन्होंने अपनी सीमित सैन्य क्षमता के बावजूद आततायी यजीद की विशाल सेना के आगे आत्मसमर्पण करने के बजाय लड़ते हुए अपनी और अपने समूचे कुनबे की कुर्बानी देना स्वीकार किया। कर्बला में इंसानियत के दुश्मन यजीद की अथाह सैन्य शक्ति के विरुद्ध हुसैन और उनके थोड़े-से स्वजनों के प्रतीकात्मक प्रतिरोध और आख़िर में उन सबको भूखा-प्यासा रखकर यजीद की सेना द्वारा उनकी बर्बर हत्या के किस्से और मर्सिया पढ़-सुनकर आज भी सिर्फ मुस्लिमों की नहीं, दुनिया के हर संवेदनशील व्यक्ति की आंखें नम हो जाती हैं।

कब था पसंद रसूल को रोना हुसैन का
आग़ोश-ए-फ़ातिमा थी बिछौना हुसैन का
बेगौर ओ बेकफ़न है क़यामत से कम नहीं
सहरा की गर्म रेत पे सोना हुसैन का !

मनुष्यता और न्याय के हित में अपना सब कुछ लुटाकर भी कर्बला में हुसैन ने जिस अदम्य साहस की रोशनी फैलाई, वह सदियों से न्याय और उच्च जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ रहे लोगों की राह रौशन करती आ रही है। कहा भी जाता है कि...

'क़त्ले हुसैन असल में मरगे यज़ीद हैं
इस्लाम ज़िन्दा होता है हर कर्बला के बाद।'

इमाम हुसैन का वह बलिदान दुनिया भर के मुसलमानों के लिए ही नहीं, संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। हुसैन महज़ मुसलमानों के नहीं, हम सबके हैं। यही वज़ह है कि यजीद के साथ जंग में लाहौर के ब्राह्मण रहब दत्त के सात बेटों ने भी शहादत दी थी जिनके वंशज खुद को गर्व से हुसैनी ब्राह्मण कहते हैं। हालांकि कुछ लोग हुसैनी ब्राह्मणों की शहादत की इस कहानी पर यक़ीन नहीं रखते। इस्लाम के प्रसार के बारे में पूछे गए एक सवाल के ज़वाब में एक बार महात्मा गांधी ने कहा था - 'मेरा विश्वास है कि इस्लाम का विस्तार उसके अनुयायियों की तलवार के ज़ोर पर नहीं, इमाम हुसैन के सर्वोच्च बलिदान की वज़ह से हुआ।' नेल्सन मंडेला ने अपने एक संस्मरण में लिखा है - 'क़ैद में मैं बीस साल से ज्यादा वक़्त गुज़ार चुका था। एक रात मुझे ख्याल आया कि मैं सरकार की शर्तों को मानकर उसके आगे आत्मसमर्पण कर यातना से मुक्त हो जाऊं, लेकिन तभी मुझे इमाम हुसैन और करबला की याद आई। उनकी याद ने मुझे वह रूहानी ताक़त दी कि मैं उन विपरीत परिस्थितियों में भी स्वतंत्रता के अधिकार के लिए खड़ा रह सका।' लोग सही कहते हैं कि न्याय के पक्ष में संघर्ष करने वाले लोगों की अंतरात्मा में इमाम हुसैन आज भी ज़िन्दा हैं, मगर यजीद भी अभी कहां मरा है ? यजीद अब एक व्यक्ति का नहीं, एक अन्यायी और बर्बर सोच और मानसिकता का नाम है। दुनिया में जहां कहीं भी आतंक, अन्याय, बर्बरता, अपराध और हिंसा है, यजीद वहां-वहां मौजूद है। यही वजह है कि हुसैन हर दौर में प्रासंगिक हैं। मुहर्रम उनके मातम में अपने हाथों अपना ही खून बहाने का नहीं, उनके बलिदान से प्रेरणा लेते हुए मनुष्यता, समानता, अमन, न्याय और अधिकार के लिए उठ खड़े होने का अवसर भी है और चुनौती भी।

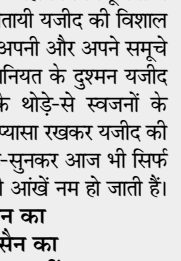

ध्रुव गुप्त, पूर्व आईएएस अधिकारी

राजस्थान में पंचायत चुनावों की घोषणा

कोरोना की तीसरी लहर के खतरे के बीच 6 जिला परिषदों और 78 पंचायत समितियों में चुनाव का हुआ एलान; तीन चरणों में होगी वोटिंग

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में पंचायत चुनावों की घोषणा की है। इस घोषणा के तहत 6 जिलों में जिला परिषद सदस्यों के साथ ही 78 पंचायत समितियों में भी चुनाव करवाए जाएंगे। ये चुनाव तीन चरणों में होंगे। शुरूआत 11 अगस्त से होगी। इन चुनावों की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक दिन पहले ही राज्य सरकार को पत्र लिखकर तीसरी लहर की आशंका जताई है। इसे कंट्रोल करने के लिए अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में आने वाले तमाम त्यौहारों पर भीड़ को रोक लगाने की सलाह दी है। राज्य निर्वाचन आयोग से जारी शेड्यूल के मुताबिक पहले चरण की वोटिंग 26 अगस्त, दूसरे चरण की वोटिंग 29 अगस्त और तीसरे चरण की वोटिंग 1 सितंबर को होगी। वहीं, जिला प्रमुख और प्रधान के लिए वोटिंग 6 सितंबर और उप प्रमुख और उप प्रधान के लिए वोटिंग 7 सितंबर को होगी।

इन जिलों में होंगे जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव

भरतपुर, दौसा, जयपुर, जोधपुर, सवाई माधोपुर और सिरोही जिलों में कुल 200 जिला परिषद सदस्यों के चुनाव के लिए वोटिंग करवाई जाएगी। इनके अलावा इन्ही जिलों की 78 पंचायत समितियों में भी वोटिंग होगी, जिसमें कुल 1564 सदस्य चुने जाएंगे।

ये रहेगा चुनाव कार्यक्रम

- चुनाव की अधिसूचना 11 अगस्त को जारी की जाएगी और उसी दिन से नामांकन पत्र भरे जाएंगे।
- 16 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे और 17 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच होगी।
- 18 अगस्त तक नाम वापस लिए जा सकेंगे और उसी दिन चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा।
- 26 अगस्त को पहले चरण, 29 अगस्त को दूसरे चरण और एक सितंबर को तीसरे चरण के लिए वोटिंग होगी। वोटिंग सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगी।
- वोटिंग की काउंटिंग 4 सितंबर को सुबह 9 बजे से जिला मुख्यालय पर होगी।
- जिला प्रमुख और पंचायत समितियों में प्रधान के चुनाव के लिए नामांकन 6 सितंबर को सुबह 10 से 11 बजे तक भरे जाएंगे। उसी दिन सुबह 11:30 बजे नामांकन पत्रों की जांच होगी। अभ्यर्थी अपना नाम दोपहर एक बजे तक वापस ले सकेंगे।
- एक से अधिक उम्मीदवार होने पर उसी दिन दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक वोटिंग होगी और शाम 5 बजे वोटिंग पूरी होने के बाद काउंटिंग कर परिणाम घोषित किया जाएगा।

ये रहेगी खर्च की सीमा: जिला परिषद सदस्य के लिए चुनाव लड़ने पर खर्च की सीमा 1.50 लाख रुपए निर्धारित की गई है। जबकि पंचायत समिति सदस्य का जो व्यक्ति चुनाव लड़ेगा उसके लिए चुनाव प्रचार की खर्च सीमा अधिकतम 75 हजार रुपए निर्धारित की गई है।

जयपुर में 22 पंचायत समितियों में होंगे चुनाव: राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां जिला परिषद के 51 मैम्बर के चुनाव के लिए वोटिंग की जाएगी। वहीं, 22 पंचायत समितियों में भी चुनाव करवाए जाएंगे। पहले चरण में कोटपूतली, पावटा, शाहपुरा, विराटनगर, जालसू, आमेर, झोटवाड़ा में वोटिंग होगी। इसी तरह दूसरे चरण में फागी, माधोपुराजपुरा, किशनगढ़ रेनवाल, जोबनेर, सांभरलेक, दूदू, मौजमाबाद और गोविंदगढ़ में वोटिंग होगी। तीसरे चरण में तूंगा, बस्सी, आंधी, कोटखावदा, सांगानेर, जमवारामगढ़ और चाकसू पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। इन सभी 22 पंचायत समितियों में कुल 446 सदस्य चुने जाएंगे।

मुख्यमंत्री का महत्वपूर्ण निर्णय

प्रतापगढ़ में कृषि मण्डी प्रांगण का शीघ्र विस्तार होगा

जयपुर। राज्य सरकार प्रतापगढ़ में कृषि उपज मण्डी समिति के मुख्य मण्डी प्रांगण का विस्तार करेगी। इसके लिए मण्डी प्रांगण के पास 2.11 हैक्टेयर भूमि की अवाप्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इसके लिए भूमि अर्जन के प्रस्ताव का अनुमोदन और अधिसूचना के प्रकाशन की स्वीकृति दे दी है। प्रस्ताव के अनुसार, मण्डी प्रांगण के विस्तार के लिए 5 भूखण्डों की अवाप्ति की जानी है, जिसके लिए सम्भावित मुआवजा राशि 5.42 करोड़ रूपए होगी। राज्य सरकार शीघ्र ही इस भूमि की अवाप्ति के लिए भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत प्रारम्भिक अधिसूचना का प्रकाशन करेगी। गहलोत के इस निर्णय से कृषि उपज मण्डी प्रतापगढ़ में फसलों की खरीद-बेचान के लिए आधारभूत ढ़ांचे का विस्तार हो सकेगा तथा किसानों और व्यापारियों को मण्डी प्रांगण में अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

18 प्लस द्वितीय डोज वैक्सीनेशन शिविर में पत्रकारों दिखाया उत्साह

2645 पत्रकारों का हुआ वैक्सीनेशन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय 18 प्लस वैक्सीनेशन शिविर में 2645 पत्रकार लाभांवित हुए। बुधवार को शिविर के अंतिम दिन 1155 सदस्यों एवं उनके परिजनों को वैक्सीनेशन की द्वितीय डोज लगाई गई। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव रामेन्द्र सोलंकी ने बताया कि मीडियाकर्मी 24×7 कार्य कर आमजन एवं समाज के हर वर्ग को जागरूक करता है। कोरोना महामारी में भी राज्य सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर पत्रकारों ने सामाजिक हित में कार्य करते हुए लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का दायित्व निर्वाह किया। ऐसे में पत्रकारों एवं उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार एवं कार्यकारिणी सदस्य मांगीलाल पारीक ने बताया जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी पुष्पा चौधरी के निर्देशन में वैक्सीनेशन की चार टीमों ने प्रेस क्लब सभागार एवं मिटिंग हॉल में डॉ. बी.डी. आचार्य के नेतृत्व में नर्सिंग कर्मचारी लक्ष्मी शर्मा, सुमिता शाह, रेखा, राधा और कम्पयूटर ऑपरेटर दीपराज, रणजीत, हेमन्त, दिनेश ने कोरोना गाइडलाइन की पालना में टीकाकरण किया। वैक्सीनेशन प्रक्रिया के दौरान रजिस्ट्रेशन कक्ष एवं ऑबर्जेवेशन रूम में कोरोना गाइड लाइन का पालन किया गया। सोमवार की तुलना में मंगलवार को 200 डोज अधिक लगाई गई। मंगलवार की तुलना में बुधवार को 310 अधिक वैक्सीनेशन हुआ। क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी की ओर से चिकित्सा विभाग के अधिकारियों एवं उनकी टीम का आभार जताया गया।

चिकित्सा मंत्री ने अर्ली कैंसर डिटेक्शन वैन का शुभारंभ किया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने मंगलवार को अपने राजकीय आवास से अर्ली कैंसर डिटेक्शन (प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी) मोबाइल वैन का शुभारंभ किया। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट को उपलब्ध करवाई गई इस वैन द्वारा कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जांचें मौके पर ही की जा सकेंगी। लगभग 1.25 करोड़ लागत की यह वैन राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण लिमिटेड के सीएसआर फंड से प्राप्त हुई है।

डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि कैंसर का अर्ली डिटेक्शन (जल्द पहचान) नहीं होना भी कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या की वजह है। उन्होंने कहा लक्षणों को जल्द पहचानने में यह वैन खासी कारगर होगी। जयपुर के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट से ऑनलाइन जुड़ी यह वैन प्रदेश के सुदूर गांवों में जाकर मरीजों की जांच करेगी और रिपोर्ट भी उसी समय उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि देश में महिलाओं में स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर और पुरुषों में सिर एवं फेफड़ों के कैंसर आम हैं। अर्ली डिटेक्शन से 90 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगियों का पूर्ण उपचार संभव है।

चिकित्सा मंत्री ने बताया कि इस वैन में मेमोग्राफी मशीन, डिजिटल एक्स-रे, कोलपोस्कॉपी, पैप स्मियर तथा सिर और गर्दन के परीक्षण के लिए वीडियो एन्डोस्कोपी की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में अब तक कोई प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट नहीं थी। इस वैन से टेली कंसल्टेंसी सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही जनता के स्वास्थ्य पर रिसर्च डाटा उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग श्री कुंजीलाल मीणा, चिकित्सा शिक्षा सचिव श्री वैभव गालरिया, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर भण्डारी, एसएमएस के अधीक्षक डॉ. राजेश शर्मा, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. आरजी शर्मा, डॉ. संदीप जसूजा एवं डॉ. सुरेश सिंह सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्साधिकारी उपस्थित थे।

राज्य सरकार को तीसरी लहर का अलर्ट : केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा...

थर्ड वेव से बचना है तो मोहर्रम, ओणम, जन्माष्टमी, दुर्गापूजा पर भीड़ रोकनी होगी, टेस्टिंग और ट्रेसिंग बढ़ाने के भी निर्देश

निजी संवाददाता

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों और हेल्थ सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों ने कोरोना की तीसरी लहर की आशंका जताई है। इसे देखते हुए केन्द्र सरकार ने राज्यों को अलर्ट भेजा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने राज्य के मुख्य सचिव निरंजन आर्य को एक पत्र लिखकर कोरोना की तीसरी लहर से बचने के लिए दिशा निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अगस्त और सितंबर में आने वाले त्यौहारों पर भीड़ को कंट्रोल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि अगर इन त्यौहारों पर सामूहिक भीड़ जुटी तो यह कोरोना की तीसरी लहर के लिए सुपर स्प्रेडर साबित हो सकती है।

केन्द्रीय सचिव ने चिट्ठी में बताया कि पिछले दिनों इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने चेतावनी जारी की है कि कोरोना की तीसरी लहर अगस्त-सितम्बर में आ सकती है। कोरोना की दूसरी लहर में जिस तरह केस बढ़े और उन्हें अब कंट्रोल किया गया है, यह आगे भी जारी रहे। भले ही डेली नए केसों की संख्या यह बता रही हो कि देश में कोरोना कम हो रहा है, लेकिन फिर भी कुछ राज्यों में बढ़ती नई केसों की संख्या और संक्रमण की दर बढ़ रही है। ऐसे में सभी सावधानियां और कोविड एप्रोपिएट बिहेवियर का पालन करते हुए तीसरी लहर को कंट्रोल करना है।

इन दिनों भीड़ न जुटाने की सलाह

केन्द्रीय सचिव ने अपने पत्र में कहा कि इस माह 19 अगस्त को मोहर्रम, 21 अगस्त को ओणम, 30 अगस्त को जन्माष्टमी, 10 सितंबर को गणेश चतुर्थी और 5 से 15 अक्टूबर तक नवरात्री है। त्योहारों में ज्यादा भीड़ जुटेगी। ये कोरोना की तीसरी लहर को लाने और सुपर स्प्रेडर साबित हो सकती है। इसके लिए राज्य सरकार कोई ठोस कदम उठाए।

टेस्टिंग और ट्रेसिंग के साथ वैक्सीनेशन बढ़ाने के निर्देश

केन्द्रीय सचिव ने राज्य सरकार को कोरोना की टेस्टिंग बढ़ाने और नए संक्रमित मिलने पर उसकी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग अच्छे से करने के निर्देश दिए हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीनेट करने के लिए कहा है। जिससे कि लोगों में कोरोना से लड़ने के लिए इम्यूनिटी बन सके।

राजस्थान में 45 फीसदी कम हो गई है टेस्टिंग

विशेषज्ञ और केन्द्रीय स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की टेस्टिंग और ट्रेसिंग बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। वहीं राज्य में कोरोना की टेस्टिंग कम हो गई है। राज्य में मई की तुलना में जुलाई में 45 फीसदी जांचें कम कर दी गई हैं। राजस्थान में अभी हर रोज औसतन 34,397 जांचें हो रही हैं, जबकि मई में हर रोज औसतन 62,143 जांच प्रतिदिन हो रही थीं। वहीं जून में हर रोज औसतन 42,575 जांचें हर रोज हो रही थीं। राजस्थान में हर रोज कोरोना की टेस्टिंग (RTPCR) की क्षमता 1 से 1.20 लाख की है।

हिलव्यू समाचार लेकर आया है फिर से शानदार मौक़ा!!

आपके लिए, आपके प्रतिष्ठान के लिए और उन सब उपलब्धियों को दुनिया के सामने लाने के लिए जो आपने अपने जीवन में हासिल की हैं। आपके हुनर, आपकी विशेषता, आपके व्यक्तित्व को मिलेगा एक मंच जिस पर आप लिखेंगे खुद की कहानी हिलव्यू समाचार के साथ इंटरव्यू के माध्यम से। आपने या आपकी संस्था ने किये हों सेवा के काम या विशेष काम जिसे आप प्रेरणादायक रूप में प्रस्तुत करना चाहते हों तो उसे प्रकाशित करवाएँ। आपने शुरू किया है कोई व्यवसाय या कोई नया काम तो विज्ञापन भी दे सकते हैं।

क्योंकि हिलव्यू समाचार लेकर आ रहा है विशेषांक

स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबन्धन पर बहुरंगी पृष्ठ के साथ। अपनी रचनात्मकता, अपने प्रतिष्ठान, अपने व्यक्तित्व को पहचान दीजिये। विज्ञापन देने के लिए भी संपर्क करें...

संपादक हिलव्यू : 9460678701